कुमारी मायावती, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
जीवन परिचय : एक नज़र में

नाम	**कुमारी मायावती** • राष्ट्रीय अध्यक्ष, बहुजन समाज पार्टी, भारत की प्रमुख राष्ट्रीय पार्टियों में एक। • सदस्य, उत्तर प्रदेश विधान परिषद • आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य एवं राजनीतिक दृष्टि से अति महत्त्वपूर्ण सूबे उत्तर प्रदेश में **चौथी बार** मुख्यमंत्री पद पर आसीन
लोग स्नेहवश पुकारते हैं	''बहनजी''
पिता का नाम	श्री प्रभुदास, जो भारत सरकार के डाक–तार विभाग से वरिष्ठ क्लर्क के रूप में सेवानिवृत्त हुए।
माता का नाम	श्रीमती रामरती (गृह–स्वामिनी), जिन्होंने अपने अथक परिश्रम से परिवार को आर्थिक सहयोग दिया और अशिक्षित होने के बावजूद अपने सभी बच्चों की शिक्षा में दिलचस्पी ली और सबको योग्य भी बनाया।
जन्म–तिथि	15 जनवरी, 1956
जन्म–स्थान	श्रीमती सुचेता कृपलानी अस्पताल, (पूर्व में लेडी हार्डिंग अस्पताल), नई दिल्ली।
पैतृक परिवार में	6 भाई और 2 बहन (स्वयं के अलावा)
मेरा परिवार	पहले ''बहुजन समाज'' था, पर अब "सर्वसमाज" मेरा परिवार
सर्वाधिक–प्रिय	सर्वसमाज का हित एवं कल्याण

पैतृक गाँव	ग्राम बादलपुर, ज़िला गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश
पसन्द / लगाव	आम भारतीय खान–पान तथा प्राकृतिक वातावरण से लगाव; सफाई अत्यन्त प्रिय
वैवाहिक–जीवन	आजीवन अविवाहित रहने का प्रण किया ताकि पूरी ज़िन्दगी समग्र व एकनिष्ठ भाव से बहुजन समाज के लोगों की सेवा में स्वयं को समर्पित कर सकें तथा उनके सामाजिक व आर्थिक हालात को बेहतर बना सकें।
शैक्षणिक स्थिति	बी.ए., बी.एड., एल एल.बी. ▶ बी.ए., कालिन्दी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से, ▶ बी.एड, बी.एम.एल.जी. कॉलेज गाज़ियाबाद, मेरठ विश्वविद्यालय से, ▶ क़ानून की डिग्री दिल्ली विश्वविद्यालय से,
पेशा	वकालत, राजनीतिक व सामाजिक कार्यकर्ता
स्थायी पता	सी–57, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली–110012
वर्तमान पता	सी–1 / 12, हुमायूँ रोड, नई दिल्ली
फोन नम्बर	011–24616606 / 24616607

राजनीतिक व शासकीय अनुभव:

नवम्बर, 1989	पहली बार संसद में बहन कुमारी मायावती व बी.एस.पी. का प्रवेश। 9वीं लोकसभा का चुनाव बिजनौर (सुरक्षित) सीट, उत्तर प्रदेश से जीता।
अप्रैल, 1994	उ0प्र0 से राज्यसभा के लिए निर्वाचित, भारतीय संसद के ऊपरी सदन में कुमारी मायावती जी व बी.एस.पी. का पहला प्रवेश।
3 जून, 1995	एक नया राजनीतिक इतिहास बनाया जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली तथा देश की पहली दलित महिला मुख्यमंत्री बनीं; यह बहुजन समाज पार्टी की देश में बनने वाली पहली सरकार थी, जिसका नेतृत्व सुश्री मायावती जी कर रही थीं।

आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े प्रदेश,
उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री बनी :

	(1) 1995 : 3 जून, 1995 से 18 अक्टूबर, 1995 तक
	(2) 1997: 21 मार्च, 1997 से 20 सितम्बर, 1997 तक
	(3) 2002: 3 मई, 2002 से 26 अगस्त, 2003 तक
	(4) 2007: 13 मई, 2007 से वर्तमान तक
1996–98	विधायक निर्वाचित। उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए ''हरोड़ा'' (सुरक्षित), ज़िला सहारनपुर तथा ''बिल्सी'' (सुरक्षित), जिला बदायूँ से निर्वाचित। ''हरोड़ा'' का प्रतिनिधित्व किया तथा ''बिल्सी'' सीट से इस्तीफ़ा दे दिया।
21 मार्च, 1997	उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं। (दूसरी बार)
फरवरी, 1998	दूसरी बार 12वीं लोकसभा के लिए उत्तर प्रदेश की अकबरपुर (सुरक्षित) लोकसभा सीट, ज़िला अम्बेडकरनगर से निर्वाचित।
फरवरी, 1999	तीसरी बार 13वीं लोकसभा के लिए हुए आम् चुनाव में उत्तर प्रदेश की अकबरपुर (सुरक्षित) सीट से पुनः विजयी।
14 अप्रैल, 1999	वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद जमील अख़्तर द्वारा लिखित **"आयरन लेडी कु0 मायावती"** पुस्तक का दिल्ली में मान्यवर कांशीराम जी द्वारा बाबा साहेब डा. अम्बेडकर जयंती के मौक़े पर एक भव्य सार्वजनिक समारोह में विमोचन।
3 जून, 2000	उत्तर प्रदेश में बनने वाली **"बहुजन समाज"** की पहली सरकार की 5वीं सालगिरह के मौक़े पर नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित जनसभा में **"बहुजन समाज और उसकी राजनीति"** नामक पुस्तक का मान्यवर कांशीराम जी द्वारा विमोचन।
15 दिसम्बर, 2001	**बी.एस.पी. के जन्मदाता एवं संस्थापक मान्यवर कांशीराम जी द्वारा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में गोमती नदी के तट पर बने लक्ष्मण मेला पार्क में आयोजित विशाल रैली में मुझे अपना तथा "बहुजन मूवमेन्ट" का एक मात्र उत्तराधिकारी घोषित किया।**
फरवरी, 2002	उत्तर प्रदेश में हुये विधानसभा आम चुनाव में पुनः विधायक निर्वाचित। ''हरोड़ा'' (सुरक्षित), ज़िला सहारनपुर तथा ''जहाँगीरगंज'' (सुरक्षित) ज़िला अम्बेडकरनगर से विधायक चुनी गयीं। ''हरोड़ा'' सीट का प्रतिनिधित्व किया तथा ''जहाँगीरगंज'' सीट से इस्तीफा दे दिया।

मार्च, 2002	अकबरपुर (सुरक्षित) लोकसभा सीट से इस्तीफा।
3 मई, 2002	उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनी (तीसरी बार)
18 सितम्बर, 2003	**मान्यवर कांशीराम जी के अकस्मात् बीमार होने के कारण बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण।**
अप्रैल–मई, 2004	चौथी बार 14वीं लोकसभा के लिए हुए आम चुनाव में भी उत्तर प्रदेश की अकबरपुर (सुरक्षित) सीट से निर्वाचित।
जुलाई, 2004	लोकसभा सीट से इस्तीफा देने के बाद, राज्यसभा (उत्तर प्रदेश से) के छः वर्ष के कार्यकाल के लिए दूसरी बार निर्वाचित।
11 मई, 2007	15वीं उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए हुये आम चुनाव में जबर्दस्त कामयाबी। पूर्ण बहुमत के साथ पहली बार बी.एस.पी. की सरकार।
13 मई, 2007	उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री के तौर पर चौथी बार शपथ ग्रहण
03 जुलाई, 2007	राज्यसभा से इस्तीफा, उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण

पुस्तक लेखन (मिशनरी उद्देश्य हेतु) :

(1) बहुजन समाज और उसकी राजनीति, अक्टूबर, 2000, हिन्दी

(2) बहुजन समाज और उसकी राजनीति, अक्टूबर, 2001, अंग्रेजी

(3) मेरे संघर्षमय जीवन एवं बहुजन मूवमेन्ट का सफरनामा, भाग 1 व 2 हिन्दी, जनवरी, 2006 पृष्ठ 2200, विमोचन मान्यवर श्री कांशीराम जी के कर कमलों द्वारा

(4) मेरे संघर्षमय जीवन एवं बी.एस.पी. मूवमेन्ट का सफरनामा भाग 3, 15 जनवरी, 2008

(5) A Travelogue of my struggle-ridden life and Bahujan Samaj, English, प्रथम 2 खण्ड का विमोचन, 15 मार्च, 2008

सामाजिक,सांस्कृतिक इत्यादि गतिविधियाँ :	
	सर्वसमाज में से खासकर 'बहुजन समाज' के अन्तर्गत आने वाले अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग व धार्मिक अल्पसंख्यकों की सेवा व उनकी हर प्रकार की उन्नति की गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।
विशेष रूचि	समाज के सभी कमज़ोर व ग़रीब तबक़ों को उनके हक़ के लिए संघर्ष करने हेतु शिक्षित व संगठित करना।
जीवन का लक्ष्य	देश में **"सामाजिक परिवर्तन तथा आर्थिक मुक्ति"** के लिए सतत् संघर्ष तथा देश में **समतामूलक समाज व्यवस्था** की स्थापना।
विदेशों का भ्रमण	(1) कनाडा, डेनमार्क, फ्राँस, जापान, स्विट्ज़रलैण्ड, कोरिया और ताईवान (उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री की हैसियत से) (2) लन्दन– डा. भीम राव अम्बेडकर मेमोरियल सामुदायिक केन्द्र का उद्घाटन करने हेतु (बी.एस.पी. की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की हैसियत से) (3) ''स्त्री और पुरूष के बीच साझेदारी से लोकतंत्र'' (Democracy through Partnership between Men and Women) विषय पर इन्टर पार्लियामेंटरी यूनियन (I.P.U.) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में, 7 जून, 2000 को न्यूयार्क, अमेरिका में संयुक्त राष्ट्र महासभा सम्मेलन को भारत की प्रतिनिधि की हैसियत से सम्बोधित किया।
अन्य सूचना	शिक्षिका अर्थात सरकारी कर्मचारी होने के नाते 1977 से बामसेफ {BAMCEF-द ऑल इण्डिया बैकवर्ड (एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी.) एण्ड मायनॉरिटी कम्यूनिटीज़ इम्प्लाईज़ फेडरेशन} से जुड़ी रही। 14 अप्रैल, 1984 को स्थापित बहुजन समाज पार्टी की स्थापना से ही राजनीति में प्रवेश किया और वर्तमान में बी. एस.पी. की राष्ट्रीय अध्यक्ष।

लोकप्रसिद्धिः	(1) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की अमरीकी पत्रिका **"न्यूज़वीक"** द्वारा 15 अक्तूबर, 2007 को दुनिया की आठ सशक्त महिलाओं में चुना जाना, जिन्होंने अनेकों प्रकार के दुःख, तकलीफ व समस्याओं को झेलते हुए अपना मुकाम बनाया। पत्रिका के अनुसार सुश्री मायावती ने अपने संघर्षपूर्ण जीवन के बारे में संक्षिप्त में बस इतना कहा कि : "मुझे कम्पीटिशन (प्रतिस्पर्धा) पसन्द है तथा मैं जीतना चाहती हूँ।" (2) दूसरी अन्तर्राष्ट्रीय अमरीकी पत्रिका **"टाइम"** ने 14 अप्रैल, 2008 के अपने अंक में दो पेज के कवरेज में सुश्री मायावती जी को 'भारत की उभरती भावी प्रधानमंत्री के रूप में' पेश किया।

****